पाठों का सार

पाठ का नाम एवम् समस्या	प्रमुख पात्र	विशेषताएँ	मुख्य बिंदु	मुख्य पंक्तियाँ
भक्तिन **बाल विवाह * पंचायतो का गांवों में दबदबा लोगों पर जबरदस्ती निर्णय थोपना | भक्तिन की बेटी का विवाह जेठुते के तितरबाज साले से विवाह करना	भक्तिन (लछमिन) *महादेवी वर्मा –उन्हें गाँव का भोजन करवाती है मक्के के हरे दाने की खिचड़ी महुवे की लपसी बाजरे के तिल लगे पुए|	संघर्षशील ,मेहनती सबको अपने अनुकूल बनाने वाली ,धर्म और शास्त्र के प्रश्नों को अपने अनुसार सुलझाना ,घर में इधर-उधर पड़े पैसे भंडार घर की मटकी में छुपा देना |	1 गोपालक की एक मात्र पुत्री पिता की प्रिय विमाता उसका बालविवाह कर देती है |और पिता की मृत्यु का समाचार संपति के बंटवारे के कारण नही देती|	1 सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करती है |2 एक पुत्री जैसे दोसंस्करण(अर्थात और दो पुत्रियों का जन्म होना)
बाजार दर्शन	भगत जी	संयमी ,निर्लोभी ,आवश्यकता के अनुसार बाजार का उपयोग करने वाले ,	बाजार जाने से पहले अपनी आवश्यकता के बारे में पता होना चाहिए जैसे लू में जाने से पहले पानी पिया जाता है मन खाली हो और जेब भरी हो तो बाजार का जादू खूब चढ़ता है|आपसी सदभाव का घटना ही बाजारुपन है |	1 मन खाली होना 2 मन भरा होना 3 पर्चेजिंग पावर 4 लोहा चुम्बक को खींचता है वैसे बाजार का जादू काम करता है 5 बाजार में मूक आमन्त्रण है
काले मेघा पानी दे	जीजी और लेखक ,इंदर सेना ,मेंढक मण्डली ,गांधीजी ,जीजी का बेटा जो आन्दोलन में मारा गया था |	लेखक कुमार सभा का उपाध्यक्ष था वह अंधविश्वास को नहीं मानता था |जीजी के कहने पर भी इंदर सेना पर पानी नही फेंकता तब जीजी उसे दान का महत्त्व किसान के द्वारा समझाती है |	*गंगा मैया की जय ,गंगा भारतीय संस्कृति में पवित्र नदी है | * गगरी फूटी बैल पियासा पानी के लिए बननेवाली योजनायें | * उसकी बात इसकी बात चटकारे लेकर करते है ,देश के लिए हम क्या करते है |	मांगे हर क्षेत्र में है |
पहलवान की ढोलक	लुट्टन पहलवान ,चाँद सिंह शेर का बच्चा	बचपन में अनाथ होने पर विधवा सास ने पाला सास को लोग परेशान करते थे इसलिय वह पहलवानी करता है और दंगल में चाँद सिंह को हराकर राज पहलवान बन जाता है |राजकुमार उसे दरबार से निकाल देता है और फिर वह महामारी से लड़ते गाँव को कुश्ती सिखाता है लेकिन यह ज्यादा दिन नहीं चलता उसके दोनों बेटे और वह भी महामारी की भेंट चढ़ जाते है |	1 टूटता तारा भी रौशनी नहीं कर पा रहा था 2 अमावस्या की काली रात महामारी की भयानकता बता रही है | 3 पहलवान की ढोलक महामारी से लड़ते हुए औषधि एवंम पथ्य विहीन लोगो में संजीवनी शक्ति का संचार करती है |गाँव में सूर्योदय होते ही सब एक दुसरे को देखने जाते और कहते दुल्हिन कब तक शोक मनावोगी जो गया उसका |	दे आओ गंगा मैया को और रात में सब खांसते हुए झोंपड़ी में चले जाते थे |